MA. 4th

Total number of printed pages–3

14 (HIN-1) 1046

2019

HINDI

Paper : HIN-1046

(Hindī Kā Kahānī Sāhitya)

(हिन्दी का कहानी साहित्य)

Full Marks : 64

Time : Three hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions.

1. ***किन्हीं दो*** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8×2=16

(क) मृत्यु के कुछ समय पहले स्मृति बहुत साफ हो जाती है। जन्म-भर की घटनाएँ एक-एक करके सामने आती हैं। सारे दृश्यों के रंग साफ होते हैं, समय की धुन्ध बिल्कुल उन पर से हट जाती है।

(ख) क्या था उस झिझक में? क्या था उस झिझकनेवाले मन में? रहा होगा, यही भय रहा होगा, जो मुझसे मेरे प्रियजनों को दूर रखता है।

Contd.

(ग) सोचने-सोचने में दिन, सप्ताह और महीने निकलते गए। मन में आशंका उठती—क्या सचमुच पहले की जिन्दगी को मिटाकर इनसान नये सिरे से जिन्दगी शुरु कर सकता है? जिन्दगी के कुछ वर्षों को वह एक दुःस्वप्न की तरह भूलने का प्रयत्न कर सकता है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 12×3=36

(क) कहानी-कला की दृष्टि से 'सद्गति' *अथवा* 'परदा' कहानी की समीक्षा कीजिए।

(ख) 'मछलियाँ' शीर्षक कहानी का प्रतिपाद्य प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

'तीसरी कसम उर्फ मारे गए गुलफाम' कहानी की मूल संवेदना पर विचार कीजिए।

(ग) कथानक-योजना की दृष्टि से 'एक और जिन्दगी' *या* 'विजेता' कहानी की समीक्षा कीजिए।

3. संक्षेप में उत्तर दीजिए : 4×3=12

(क) बेनीबाबू की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

उद्देश्य की दृष्टि से 'अपना-अपना भाग्य' कहानी की समीक्षा कीजिए।

(ख) गुल्की *अथवा* लतिका का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ग) नामकरण की दृष्टि से 'टूटना' *या* 'बदबू' कहानी की समीक्षा कीजिए।